तीन विश्वासयोग्य पुरूष अग्नि लपटों के बीच चले

प्रार्थना: "प्रिय प्रभु हमारे बच्चों को तैयार कर कि वे इसी विश्वास और साहस के साथ सताव का सामना कर सकें जो उन तीन यहूदी भक्त पुरूषों में था, जब राजा ने उन्हें आग के भट्टे में फिंकवा दिया था"

बच्चों की कोई भी सीखाने वाली गतिविधि चुन लें उनकी आयु के अनुसार सही बैठती हैं।

एक बड़ा बच्चा या शिक्षक **दानियेल 3 अध्याय** को पढ़ें या अपनी याद से कहानी बतायें। ये तीन बहादुर पुरूषों के बारे में बताती है जिन्होंने मूर्ति की आराधना की अपेक्षा आग की मृत्यु का सामना किया"

ये प्रश्न पूछिये। *(हर एक प्रश्न का उत्तर दानियेल 3 अध्याय में हैं)*

- राजा ने लोगों को इस मूरत के सामने क्या करने को कहा? (पद 5 देखें)
- जब उसने ये सुना कि इन तीन पुरूषों ने मूरत की उपासना नहीं की तो उसने क्या किया? *(पद 13)*
- तीन पुरूषों ने राजा को क्या बताया कि परमेश्वर कर सकता है? *(पद 17)*
- यदि परमेश्वर उन्हें बचाने को नहीं चुनता तो क्या वे मरने को तैयार थे? *(पद 18)*
- उन सैनिकों का क्या हुआ जिन्होंने इन्हें आग में फेंका था? *(पद 22)*
- राजा आग में कितने पुरूष देखता है? *(पद 25)*

दानियेल 3 से कहानी के भाग से तीन साहसी विश्वासयोग पुरूषों के विषय नाटक करें।

इस संक्षिप्त नाटक की प्रस्तुति बच्चों द्वारा करने के लिये मंडली के अगुवे के साथ प्रबन्ध करिये। नाटक तैयार करने के लिये अपना समय प्रयोग करें। सभी हिस्सों को उपयोग करने की आवश्यकता नहीं है। बड़े बच्चों को छोटों को तैयारी करने में मदद करने दीजिये।

- **बड़े बच्चों** को ये हिस्सा खेलने दीजिये:

  प्रवक्ता: कहानी का सारांश बताता है और बच्चों को क्या कहना और करना है उसको याद दिलाता है।

  राजा नबूकदनेजर: कुछ पकड़ता है जो मूरत को प्रगट करता है

  वरिष्ठ अधिकारी

- **छोटे बच्चे** ये भूमिका निभायें:

  शद्रक मेशक और **अबेदनगो**

  राजा के **अधिकारी** सींग दिखाने के लिये कागज़ रोल करते हैं

  सैनिक- रस्सी के बदले सुतली और भाले के बदले डन्डे लेते हैं

प्रवक्ता: दानियेल 3:1-13 से कहानी का प्रथम हिस्सा बताता है। तब कहता है, "सुनो राजा नबूकदनेजर क्या कहता है"

नबूकदनेज़र: मूरत को रखो जहाँ से सब उसे देख सकते हैं। जब कहता है, "मैं आज्ञा देता हूँ कि तुम सब इस मूरत की उपासना करो जो मुझे दर्शाती है। जब तुम संगीत की आवाज सुनो और यदि इस मूरत के आगे न झुको तो मैं तुम्हें आग के भट्टे में फिंकवा दूंगा!"

अधिकारी और वरिष्ठ अधिकारी: जोर की आवाज से सींग फूंकते हैं। तब मूरत के सामने झुकते हैं।

शद्रक मेशक और अबेदनगो मूरत के सामने चलते हैं पर सीधे खड़े रहते हैं।

सैनिक: जब संगीत बज रहा है मूरत के आगे झुक जाओ।

अधिकरी: सींग बजाना बन्द करो, राजा के पास जाओ।

वरिष्ठ अधिकारी: "महान राजा आपके तीन अधिकारी मूरत के सामने झुकने से इन्कार करते हैं"

राजा: (क्रोद्ध में) "सैनिको! जाओ और उन तीनो द्रोहियों को मेरे पास एकदम लाओ।"

प्रवक्ता: दानियेल 3:14-23 से कहानी का दूसरा भाग बताओ। तब कहें, "सुनो, कि राजा नबूकदनेजर तीन पुरूषों से क्या पूछता है"

राजा: "तुमने मेरी मूरत की उपासना क्यों नहीं की?"

शद्रक: ऊपर संकेत करते हुए और कहता है, "हम केवल एक सच्चे परमेश्वर की उपासना करते हैं"

मेशक: "यदि सर्वशक्तिमान चाहे तो हमें बचा सकता है"

अबेदनगो: "यदि परमेश्वर चाहे कि हम आग के भट्टे में फेंक दिये जायें, हम तेरी मूरत की उपासना नहीं करेंगे"

राजा: (चिल्लाता है) "सैनिको! भट्टे को सात गुणा धधका दो! उन्हें आग में फेंक दो!"

सैनिक: तीनो पुरूषों को बांधते हैं और उन्हें भट्टे के कोने में करते हैं, तब दर्द से चीख उठते हैं, अपने भाले नीचे फेंकते और आंच से मर जाते हैं।

प्रवक्ता: पद 24-30 से कहानी के तीसरे भाग को बताता है। तब कहता है, "सुनो राजा नबुकदनेजर क्या कहता है"।

राजा: भटटे में देखता है, "हमने भट्टे में तीन पुरूष फेंके पर मैं चार देखता हूँ! चौथा पुरूष परमेश्वर के पुत्र के समान दिखता है! शद्रक, मेशक, अबेदनगो, बाहर आ जाओ!"

प्रधान अधिकारी: "देखो उनकी रस्सियां जल गई, पर उनमें से घुंए की भी गन्ध नहीं आ रही!"

राजा: "शद्रक मेशक और अबेदनगो अब मैं देखता हूं कि तुम्हारा परमेश्वर किसी भी मूरत से अधिक शक्तिशाली है"।

प्रवक्ता: जिन्हों ने सहायता की उन्हें धन्यवाद देता है।

प्रश्न: यदि बच्चे इस कहानी को नाटक के रूप मैं बड़ों के लिये करें, तो जो प्रश्न ऊपर की सूचि में है उन्हें बड़ों से पूछने दें।

आग में चार लोगों के खड़े होने की तस्वीर बनायें। बच्चों को उसकी नाटक करने दें। आने वाली आराधना में उन्हें बड़ों को ये तस्वीर दिखाने दें और बतायें कि ये उदाहरण बताता है कि कैसे परमेश्वर सताव सहने में हमारी मदद करता है।

बच्चों से कहें कि वे परमेश्वर के लोगों के सताव के दूसरे उदाहरण दें। समय बतायें जब परमेश्वर ने उन्हें बचाया। दूसरे उदाहरण दें।

कंठस्त करें: छोटे बच्चे याकूब 1:2 और बड़े बच्चे याकूब 1:2-4 याद करें।

कविता: चार बच्चों को भजन 138:4-7 पदों का उच्चारण करने को कहें बड़ें बच्चे सप्ताह के शीर्षक (विषय) कविताएं या गीत लिखें।

प्रार्थना: "प्रिय प्रभु हम उन तीन इस्रालियों की तरह हमेशा साहसी नहीं महमूस करते। सहायता कर कि जब हम सताव का सामना करें तो आप पर विश्वास करें। आप हमारा बचाव कर सकते हैं। पर फिर भी यदि हम आपके लिये सहते हैं, हम हमेशा विश्वासयोग्य बने रहना चाहते हैं क्योंकि आप हमेशा हमारे साथ होंगे"

Copyright © 2004 by Paul-Timothy. May be freely copied. Download from www.Paul-Timothy.net